दैनिक भारतेन्दु शिखर

वर्ष : 25 | अंक : 291 | शिमला | वीरवार, 10 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 1.50 रुपए

नाहन : जिला सिरमौर के पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राजकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक पाठशाला प्रेमनगर में यूको क्लब के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पाठशाला के बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों ने पाठशाला परिसर तथा आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की और जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

छपते-छपते

दस रुपए की पर्ची पर बवाल

जवाली : पूर्व वन मंत्री राकेश पठानिया ने प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें स्वास्थ मंत्री डा. धनीराम शांडिल ने कहा था कि अस्पतालों मे पर्ची के दस रुपए इसलिए लिए जा रहे है कि मुफ्त की पर्ची को लोग गुम कर देते हैं। पूर्व मंत्री राकेश पठानिया ने कहा कि सरकार गरीबी नहीं, अपितु गरीब को मिटाने पर तुली है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में गरीब लोग जाते हैं और प्रदेश सरकार की ओर से सरकारी अस्पतालों में मरीजों से पर्ची और टेस्ट के पैसे लेने के फैसले से लोग परेशान हो गए हैं। मरीजों को निजी अस्पतालों की तर्ज पर अपनी जेबें ढीली करनी पड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर फील्ड में बैकफुट पर है।

कटराईं में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन

कटराईं : भाजपा मनाली विधानसभा क्षेत्र का सक्रिय सदस्य सम्मेलन कटराईं में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री बिहारी लाल शर्मा तथा विशेष अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने गोविंद सिंह ठाकुर और बिहारी लाल शर्मा का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मनाली मंडल अध्यक्ष जोगिंद्र मेहरा ने मुख्यातिथि को टोपी और शाल पहनाकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया। भाजपा मनाली विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय सदस्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि यह सम्मेलन उन 400 सक्रिय सदस्यों का सम्मान है, जिन्होंने प्राथमिक सदस्यता अभियान के दौरान कम से कम 100 लोगों को पार्टी से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्यकर्ताओं की निष्ठाए परिश्रम और संगठन के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

नवगठित शहरी स्थानीय निकायों में प्रिवेंशन आफ डिस्फिगरमेंट अधिनियम लागू

▶ सार्वजनिक संपत्ति को खराब करने पर जुर्माना और सजा का प्रावधान

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : हिमाचल की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार ने नवगठित शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में हिमाचल प्रदेश ओपन प्लेसेस (प्रिवेंशन आफ डिस्फिगरमेंट) एक्ट, 1985 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने का फैसला लिया है, जिसका उल्लंघन दंडनीय अपराध है तथा इसके लिए कारावास और जुर्माना लगाया जा सकता है। यह अधिनियम मूल रूप से सार्वजनिक स्थानों पर विज्ञापनों के अनाधिकृत प्रदर्शन को रोकने के लिए है। इसका उद्देश्य इमारतों, दीवारों, पेड़ों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों पर पोस्टर, नोटिस, चित्र सहित विभिन्न प्रसारण संकेत इत्यादि लगाने को नियंत्रित करना है ताकि क्षेत्र की आभा पर विपरित प्रभाव न पड़े। अधिनियम के प्रावधानों के तहत, संबंधित स्थानीय प्राधिकरण से पूर्व लिखित अनुमति के बिना ऐसा कोई भी विज्ञापन प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है। इस अधिनियम को वर्ष 1985 में शिमला नगर निगम क्षेत्र में लागू किया गया था। इसके बाद, 9 मई, 1991 को जारी एक अधिसूचना के माध्यम से, इसका दायरा राज्य भर में विभिन्न नगर पालिका, अधिसूचित क्षेत्र समितियों और राज्य में अन्य नगर निगमों तक बढ़ा दिया गया। हालांकि, प्रशासनिक उन्नयन और विस्तार के कारण 1991 के बाद अस्तित्व में आए नवगठित शहरी स्थानीय निकायों को अधिसूचना के दायरे में शामिल नहीं किया गया। सभी लक्षित क्षेत्रों में एक समान कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, राज्य सरकार ने गत दिनों अतिरिक्त शहरी स्थानीय निकायों में अधिनियम के प्रवर्तन को मंजूरी दी है। इनमें नगर निगम धर्मशाला, पालमपुर, मंडी, सोलन, बद्दी, हमीरपुर और ऊना शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त नगर परिषद बिलासपुर, घुमारवीं, सुजानपुर टीहरा, देहरा, ज्वालामुखी, नगरोटा बगवां, मनाली, जोगिंदरनगर, नेरचौक, सरकाघाट, रोहड़ू, परवाणू, मैहतपुर, संतोखगढ़, सुन्नी, नादौन और बैजनाथ पपरोला सहित नगर पंचायत ज्वाली, शाहपुर, निरमंड, करसोग, चिड़गांव, नेरवा, कंडाघाट, अंब, टाहलीवाल, बड़सर, संधोल, धर्मपुर, बलद्वाड़ा, भोरंज, खुंडियां, नगरोटा सूरियां, कोटला, झंडूता, सवारघाट, बनीखेत, कुनिहार, बंगाणा और शिलाई भी शामिल हैं। प्रदेश सरकार राज्य में विभिन्न शहरी क्षेत्रों और नगरों की प्राकृतिक सुंदरता को बनाये रखने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इस अधिनियम के सख्ती से लागू होने से सर्वाजनिक सम्पत्तियों पर न केवल अनाधिकृत विज्ञापन को रोकने बल्कि इन क्षेत्रों की प्राकृतिक सुन्दरता को बनाये रखने में भी मदद मिलेगी।

राज्य में तेजी से विकसित हो रहा ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर : मुख्यमंत्री

शिमला : प्रदेश सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को प्रोत्साहित करने और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इस दिशा में अब तक राज्य में छः ग्रीन कॉरिडोर विकसित किए जा चुके हैं ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा राज्य सरकार ने 402 स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने को स्वीकृति प्रदान की है। चयनित स्थानों में मुख्य रूप से सरकारी परिसरों जैसे लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह, परिधि गृह, उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों के कार्यालय परिसर आदि शामिल हैं। इनमें से लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृहों में 252, जल शक्ति विभाग के विश्राम गृहों में 19, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड निगम के परिसरों में 18, वन विभाग के परिसरों में 100, उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसरों में 12 तथा बीबीएनडीए कार्यालय में एक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार की इस पहल का उद्देश्य राज्य में एक मजबूत और प्रभावी ईवी चार्जिंग नेटवर्क विकसित करना है। इससे सरकारी विभागों को इलेक्ट्रिक वाहनों अपनाने में सुविधा मिलने के साथ-साथ हरित परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। राज्य सरकार ने सभी विभागों को इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के निर्देश दिए हैं, जिसके चलते प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। प्रदेश में अब तक 4997 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हो चुका है। ई-टैक्सी योजना के तहत 500 इलेक्ट्रिक टैक्सियों को विभिन्न सरकारी विभागों में शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा अन्य राज्यों से आने वाली ई-बसें और टैक्सियां भी प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रही हैं। इसके दृष्टिगत प्रदेश में ई-चार्जिंग स्टेशनों की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। राज्य सरकार ने देशभर में हरित परिवहन की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रदेश के छह राजमार्गों को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में अधिसूचित किया है।

धर्मपुर का 6 दिवसीय नलवाड़ एवं देवता मेला सम्पन्न

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मपुर : मंडी जिला के धर्मपुर में प्रत्येक वर्ष मनाए जाने वाले 6 दिवसीय नलवाड़ एवं देवता मेला का आज विधिवत समापन हो गया। उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने शीतला माता मंदिर में मेला में पहुंचे समस्त देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद निकली भव्य जलेब की आगवानी की। इसके बाद मेला मैदान धर्मपुर में मेले का झंडा उतारकर व नलवाड़ मेला की खुंटी उखाड़कर विधिवत समापन किया। इस अवसर पर धर्मपुर के विधायक चन्द्रशेखर की धर्मपत्नि कविता शेखर भी विशेष तौर पर उपस्थित रहीं।

इस मौके पर उपायुक्त अपूर्व देवगन ने समस्त क्षेत्र व प्रदेश वासियों को धर्मपुर के नलवाड़ एवं देवता मेला की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि मेले व त्यौहार हमारी पुरातन संस्कृति और जीवन शैली के आधार हैं। इन लोक उत्सवों व मेलों के आयोजन से लोक संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन को बल मिलता है तथा नई ऊर्जा, नए उल्लास, नई उमंग और नए उत्साह का संचार भी होता है। उन्होने कहा कि धर्मपुर का 6 दिवसीय नलवाड़ व देवता मेला भी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक अहम हिस्सा है द्य इन मेलों के आयोजन से न केवल आपसी भाईचारे की भावना को बल मिलता है बल्कि इस तरह के आयोजन सांप्रदायिक सद्भाव को सुदृढ़ बनाने तथा सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में भी अहम योगदान देते हैं।

उन्होने कहा कि मेले के दौरान देवी-देवताओं के आगमन एवं मेल मिलाप से जहां हमारी प्राचीन देव संस्कृति को भी बल मिलता है तो वहीं अधिक मजबूत व समृद्ध भी होती है। साथ ही इस तरह के आयोजनों से हमारी नई पीढ़ी को भी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने व सहेजने का सुअवसर भी प्राप्त होता है।

उन्होंने मेला का सफलता पूर्वक बेहतरीन अयोजन के लिए एसडीएम सहित संपूर्ण मेला समिति को बधाई दी। इससे पहले उन्होने मेला मैदान में लगी विभागीय एवं स्वयं सहायता समूहों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मेला समिति के अध्यक्ष एवं एसडीएम स्वाति डोगरा ने सभी देवी-देवताओं के साथ मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए मेला आयोजन बारे विस्तृत जानकारी रखी।

अंबेडकर जयंती मनाने के लिए पदयात्रा का आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय की स्वायत्त निकाय नेहरू युवा केंद्र संगठन हिमाचल प्रदेश भारत रत्न भीम राव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय पद यात्रा का आयोजन कर रहा है। नेहरू युवा केंद्र संगठन की राज्य निदेशक ईरा प्रभात ने बताया कि यह पद यात्रा अंबेडकर चौक चौड़ा मैदान, शिमला में आयोजित की जाएगी। यह भारतीय संविधान के निर्माता को याद करने का अवसर है, जिन्होंने दुनिया के सबसे बड़े संविधानों में से एक लिखा।

11 अप्रैल 2025 को आईटीआई शिमला से चौड़ा मैदान तक पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। अंबेडकर जयंती के अवसर पर शपथ, प्रस्तावना वाचन और अन्य गतिविधियाँ होंगी। विभिन्न संस्थानों के स्वयंसेवक इस पद यात्रा में भाग लेंगे। यह पदयात्रा देश के प्रत्येक राज्य की राजधानी में आयोजित की जाएगी।

मनरेगा के तहत विकास कार्यों में राशि व्यय करने में सोलन हिमाचल में प्रथम

भारतेन्दु संवाददाता

सोलन : उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा की अध्यक्षता में आज यहां ज़िला सोलन के सभी खण्ड विकास अधिकारियों के साथ विभिन्न विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

मनमोहन शर्मा ने खण्ड विकास अधिकारियों को मनरेगा के तहत विकास कार्यों में लगभग 51 करोड रुपए की राशि व्यय कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बधाई दी।

उपायुक्त ने कहा कि सोलन ज़िला में मनरेगा के तहत मार्च, 2025 तक 144 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी खण्ड विकास अधिकारियों और ग्रामीण एवं पंचायती राज विभाग के सभी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्य में श्रेष्ठता सभी को बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है।

उन्होंने निर्देश दिए कि विधायक व सांसद निधि तथा मनरेगा के अन्तर्गत लम्बित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सभी खण्ड विकास अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को ग्राम पंचायतों के लम्बित कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश जारी करें। इन लम्बित कार्यों की सूची तैयार कर यह सुनिश्चित बनाया जाए कि यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण हों।

रविवार को सात केंद्रों में होगी संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : अतिरिक्त उपायुक्त मंडी रोहित राठौर ने जिला मुख्यालय मंडी में 13 अप्रैल रविवार को संघ लोक सेवा आयोग की सीडीएस(1), एनडीए और एनए(1) की परीक्षा सात परीक्षा केंद्रों होने जा रही है। सीडीएस(1) की परीक्षा के लिए दो केन्द्र वल्लभ कॉलेज मंडी उप केंद्र-001 और वल्लभ कॉलेज मंडी उप केंद्र-002 बनाए गए हैं। जबकि एनडीए और एनए(1) की परीक्षा के लिए रा.व.मा.पा.(गर्ल्स) मंडी उप केंद्र-003, आई.टी.आई मंडी उप केंद्र-004, रा.व.मा.पा. (बॉयज) मंडी उप केंद्र-005, रा.व.मा.पा.(बॉयज) भंगरोटू उप केंद्र-006 और पीएम श्री रा.व.मा.पा. कनैड़ उप केंद्र-007 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

रामपुर एचपीएस ने बीपीएल परिवारों की महिलाओं को दी स्वास्थ्य अनुरक्षण के लिए वित्तीय सहायता

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : एसजेवीएन के सीएसआर नीति के तहत रामपुर एचपीएस द्वारा परियोजना प्रभावित पंचायतों की महिलाओं के विकास एवं स्वास्थ्य अनुरक्षण हेतु विविध कार्यक्रम एवं योजनाएं चलाई जा रही है। इसी कड़ी में निगम की एसजेवीएन रजत जयंती महिला एवं बाल विकास योजना के प्रकाश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार (बीपीएल) की महिलाओं एवं उनके शिशुओं के लिए प्रसव पूर्व और प्रसव उपरांत स्वास्थ्य अनुरक्षण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसी कड़ी में विकास मारवाह, परियोजना प्रमुख, रामपुर

एचपीएस द्वारा समेल्लन कक्ष, बायल में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी मेडिकल सर्विस सेंटर, खनेरी में भर्ती आर्थिक रूप से अक्षम बीपीएल परिवारों से सम्बंधित 12 महिलाओं जिन्हें अपनी आजीविका कमाने के लिए मजदूरी अथवा खेती पर निर्भर रहना पड़ता है को पूरक पोषक आहार सामग्री (ड्राई फ्रूट) का गिफ्ट पैक प्रदान किये गए। परियोजन प्रमुख ने कहा कि एसजेवीएन प्रबंधन के उचित दिशा निर्देशों के अनुसार महिलाओं को उनके जीवन के अहम पड़ाव में स्वास्थ्य अनुरक्षण प्रदान कर उन्हें तथा उनके शिशुओं का भविष्य सुरक्षित करने में सहयोग दिया जा रहा है। इस योजना से अब तक 145 महिलाये लाभ उठा चुकी है। इस अवसर पर रामपुर एचपीएस के सभी विभागाध्यक्ष तथा सीएसआर विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एसपी ने धुम्मू शाह मेला में पूजा अर्चना के साथ दंगल का किया शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : एसपी शालिनी अग्निहोत्री ने बुधवार को दाड़ी में धुम्मु शाह मेले के दूसरे दिन भराड़ी मंदिर में पूजा अर्चना के साथ दंगल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एसपी शालिनी अग्निहोत्री ने कहा कि भारत में कुश्ती की शुरूआत एक व्यायाम के रूप में हुई, लेकिन यह पेशेवर खेल के रूप में उभरा है, जो भारत को इंटरनेशनल लेवल पर शोहरत दिला रहा है।

उन्होंने कहा कि खेलें जीवन को स्वस्थ रखने में अहम योगदान देती हैं तथा युवा पीढ़ी को इसमें बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर समाज निर्माण में अपनी सशक्त भूमिका का निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार भी नशे पर अंकुश लगाने के लिए तीव्र गति से कार्य कर रही है।

इससे पहले मेला अधिकारी एसडीएम संजीव भोट ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए धुम्मु शाह मेले आयोजन को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि मेले के आयोजन में आम जनमानस की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इस अवसर पर नामी पहलवानों ने अपने जौहर दिखाए। इस अवसर पर नगर निगम के ज्वाइंट कमीशनर सुरेंद्र कुमार, तहसीलदार गिरिराज, जिला युवा सेवाएं खेल अधिकारी सन्नी शर्मा सहित विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए वुमेन ऑन व्हील्स कार रैली आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता

सोलन : लायंस क्लब सोलन की महिला सदस्यों द्वारा सर्वाइकल कैंसर जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष वुमेन ऑन व्हील्स कार रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारम्भ उपमण्डलाधिकारी सोलन डॉ. पूनम बंसल ने किया। रैली पुलिस पेट्रोल पंप बाईपास से प्रारंभ होकर चंबाघाट, सोलन माल रोड, सपरून से गुजरते हुए कांग्रेस भवन के समीप एसबीपी टूर एंड ट्रेवल्स कार्यालय पर संपन्न हुई। रैली का मुख्य उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए वैक्सीनेशन के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है।

डाकघर में बिना फॉर्म निकाले और जमा करें पैसे

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : अधीक्षक डाकघर धर्मशाला मंडल रविंद्र कुमार शर्मा ने जानकारी दी कि भारतीय डाक विभाग द्वारा अब 5 हजार रूपये तक के लेनदेन के लिए इ-केवाईसी सुविधा शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि धर्मशाला मंडल के अंतर्गत प्रत्येक प्रधान डाकघर व उप डाकघरों में यह सुविधा शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस सुविधा के अंतर्गत ग्राहक बिना फॉर्म भरे इ-केवाईसी के माध्यम से 5 हजार तक के पैसे जमा और निकाल सकते हैं।

उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी के माध्यम से ग्राहक अब 5 हजार रूपये तक का लेनदेन बिना किसी वाउचर के कर सकेंगे, जिससे डाकघरों में लेनदेन की प्रक्रिया और अधिक सरल, तेज और कागज रहित हो गई है।

यह सुविधा डाक विभाग की डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो ग्राहकों को सुरक्षित और आसान बैंकिंग प्रदान करती है। विशेष कर सामाजिक सुरक्षा पेंशन धारकों और निरक्षर जमाकर्ताओं के लिए यह सुविधा किसी वरदान से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए किसी भी नजदीकी डाकघर से संपर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की उप-योजना के रूप में कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन के आधुनिकीकरण को मंजूरी दी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज 2025-2026 की अवधि के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) की उप-योजना के रूप में कमान क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन (एम-सीएडीडब्ल्यूएम) के आधुनिकीकरण को मंजूरी दे दी। इस योजना का आरंभिक कुल परिव्यय 1600 करोड़ रुपये है।

इस योजना का उद्देश्य, मौजूदा नहरों या अन्य स्रोतों से निर्दिष्ट क्लस्टर में सिंचाई जल की आपूर्ति के लिए सिंचाई जल आपूर्ति नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना है। यह दबावयुक्त भूमिगत पाइप सिंचाई द्वारा एक हेक्टेयर तक स्थापित स्रोत से खेत तक किसानों द्वारा सूक्ष्म सिंचाई के लिए मजबूत बैकएंड बुनियादी ढांचा तैयार करेगा। जल की मात्र दर्ज करने और जल प्रबंधन के लिए एससीएडीए, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इससे खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता और कृषि उत्पादन के साथ-साथ उत्पादकता बढ़ेगी, इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

सिंचाई परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए जल उपयोगकर्ता समिति को सिंचाई प्रबंधन हस्तांतरण द्वारा परियोजनाओं को टिकाऊ बनाया जाएगा। जल उपयोगकर्ता समितियों को पांच साल के लिए एफपीओ या पीएसीएस जैसी मौजूदा आर्थिक संस्थाओं से जोड़ने के लिए सहायता दी जाएगी । युवाओं में भी सिंचाई की आधुनिक पद्धति अपनाते हुए खेती क्षेत्र में आने का रूझान बढ़ेगा। प्रारंभिक स्वीकृति, राज्यों का चुनौतीपूर्ण वित्तपोषण करके देश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों में पायलट परियोजनाओं को शुरू करने के लिए दी गई है। इन परियोजनाओं के डिजाइन और संरचना से प्राप्त अनुभवों के आधार पर, 16वें वित्त आयोग की अवधि के लिए अप्रैल 2026 से कमान क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय योजना शुरू की जाएगी।

ईसीआई का व्यापक जमीनी स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम जोर पकड़ रहा है

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल के 2 जिला निर्वाचन अधिकारी, 12 निर्वाचन अधिकारी और 217 बीएलओ का दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आईआईआईडीईएम में शुरू हुआ। यह पहल जमीनी स्तर के चुनाव कार्यकर्ताओं की दक्षता उन्नयन के लिए व्यापक प्रशिक्षण योजना का हिस्सा है, जिसकी परिकल्पना आयोग ने 4 मार्च को आईआईआईडीईएम में आयोजित सीईओ सम्मेलन के दौरान की थी। चुनाव आयोग ने आज नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में मीडिया नोडल अधिकारियों, सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों और जिला जनसंपर्क अधिकारियों के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम को सम्पन्न किया। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया के उभरते परिदृश्य में चुनाव अधिकारियों के समन्वय और तैयारी को बढ़ाना था। 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के मीडिया अधिकारियों ने इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य कानूनी ढांचे अर्थात जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951; मतदाता पंजीकरण नियम 1960, निर्वाचन संचालन नियम 1961 और समय-समय पर ईसीआई द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से सक्रिय सूचना प्रसार, गलत सूचनाओं का मुकाबला करने और मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी संचार रणनीति विकसित करना है।

एयरबस और महिंद्रा एयरोस्ट्रक्चर के बीच विनिर्माण अनुबंध

नई दिल्ली : एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में, नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने एयरबस और महिंद्रा एयरोस्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के बीच एच130 हेलीकॉप्टर फ्यूजलेज विनिर्माण अनुबंध पर हस्ताक्षर हेतु आयोजित समारोह की अध्यक्षता की। नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित इस कार्यक्रम में नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुलनम, एयरबस इंडिया और साउथ एशिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रेमी मैलार्ड, महिंद्रा समूह के ग्रुप सीईओ और प्रबंध निदेशक डॉ. अनीश शाह और साझेदार उद्योगों के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति रही।

परियोजना निर्माण के दौरान लगभग 35 लाख मानव-दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित करेगी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में तिरुपति-पाकला-कटपडी एकल रेलवे लाइन खंड (104 किमी) के दोहरीकरण को स्वीकृति दे दी है, जिसकी कुल लागत लगभग 1332 करोड़ रुपये है। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में सुधार होगा, जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएगा और भीड़भाड़ को कम करेगा, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास होगा। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नए भारत के विजन के अनुरूप है, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के जरिए क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगा, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बेहतर होंगे। यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है, जो एकीकृत योजना के जरिए संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं तथा सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तीन जिलों को कवर करने वाली यह परियोजना भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 113 किलोमीटर तक बढ़ाएगी।

लोक सभा अध्यक्ष ने भारतीय भाषाओं और संस्कृति में उज्बेक विद्वानों की गहरी रुचि की सराहना की

नई दिल्ली : लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हिंदी और संस्कृत सहित अन्य भारतीय भाषाओं में उज्बेकिस्तान के विद्वानों की गहरी रुचि की सराहना की। उन्होंने कहा कि उज्बेक विद्वानों ने न केवल भारतीय भाषाएं सीखी हैं, बल्कि इन्हें अपने विचारों और साहित्य में अभिव्यक्ति भी दी है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि विद्वानों और छात्रों ने अपने शिक्षण और शोध कार्यों के माध्यम से भारत और उज्बेकिस्तान के ऐतिहासिक संबंधों को और अधिक मजबूत किया है।

उन्होंने विद्वानों को जरूरत पड़ने पर भारतीय दूतावास से सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया। बिरला ने उज्बेकिस्तान में हिंदी भाषा सीखने वाले इंडोलॉजिस्ट और छात्रों के साथ बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि अनेक भारतविदों को उनकी राजनयिक गतिविधियों के लिए भारत तथा अन्य देशों से सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उज्बेकिस्तान के शिक्षकों द्वारा उज्बेक-हिंदी शब्दकोश भी तैयार किया गया है, जिसका विमोचन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।

21वीं सदी को गढ़ने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उज्बेकिस्तान जैसे मित्र देशों के साथ सामूहिक विकास और सहयोग की अपार संभावनाएँ हैं।

स्ट्रेच करें, सांस लें, अपडेट रहें- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 न्यूजलेटर लाइव हुआ

नई दिल्ली : 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) की तैयारी के क्रम में, आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने समय पर अपडेट करने, जागरूकता बढ़ाने और योग के वैश्विक उत्सव में सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक समर्पित न्यूजलैटर लॉन्च किया है। आयोजन में बस कुछ ही सप्ताह बचे हैं, यह न्यूजलेटर दुनिया भर के हितधारकों और दर्शकों को जोड़ने के लिए संवाद के एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में काम करेगा।

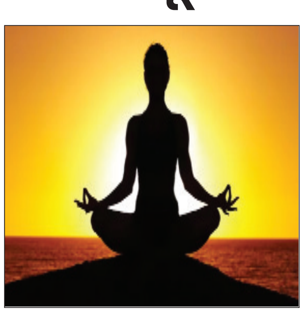

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने इस पहल के पीछे की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह न्यूजलेटर नागरिकों और हितधारकों दोनों के लिए समय पर और पारदर्शी अपडेट सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की थीम एक पृथ्वी, समान स्वास्थ्य के लिए योग के उत्साह को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में इसकी परिकल्पना की थी। मैं इस पहल को जीवन में अपनाने के लिए एमडीएनआईवाई के समर्पित प्रयासों की सराहना करता हूं।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, इस न्यूजलेटर का प्रकाशन नागरिकों को योग के करीब लाने का एक प्रयास है। यह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और सभी के लिए स्वास्थ्य एवं सद्भाव के हमारे साझा दृष्टिकोण के साथ समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। संयुक्त सचिव मोनालिसा दाश ने कहा, यह न्यूजलेटर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के प्रति हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।

भारत में होम्योपैथी: परंपरा, विश्वास और भविष्य

नई दिल्ली : होम्योपैथी ने धीरे-धीरे भारत में सबसे मजबूत स्वास्थ्य सेवा सहायता प्रणालियों में से एक का निर्माण किया है। इसके नरम दृष्टिकोण के पीछे डॉक्टरों, अस्पतालों, कॉलेजों और अनुसंधान का एक ठोस ढांचा है। 3.45 लाख से अधिक पंजीकृत होम्योपैथिक डॉक्टर लाखों लोगों को कोमल, किफायती चिकित्सा प्रदान करने के लिए देश भर में काम कर रहे हैं। भारत में 277 होम्योपैथी अस्पताल भी हैं, जो इनपेशेंट केयर प्रदान करते हैं। ये अस्पताल उन रोगियों की मदद करते हैं, जिन्हें आपातकालीन उपचार की तो आवश्यकता नहीं होती, लेकिन सावधानीपूर्वक देखभाल की आवश्यकता होती है।

भारतीय विमानन अकादमी में विमानन कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ

नई दिल्ली : केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्कूली छात्रों के लिए विमानन में करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम की शुरुआत की। इसका उद्घाटन सत्र भारतीय विमानन अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य कक्षा 11 और 12 के छात्रों को विमानन क्षेत्र में विविध करियर क्षेत्रों जैसे पायलट और (विमान यातायात नियंत्रण) एयर ट्रैफिक कंट्रोल से लेकर विमान डिजाइन, हवाई अड्डे के प्रबंधन सहित विमानन क्षेत्र से जुड़े अन्य व्यवसायों के लिए प्रेरित और शिक्षित करना शामिल है। महिला पायलटों द्वारा एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर दिया और अपने व्यवसायिक यात्रा से जुड़ी जानकारियाँ साझा कीं। छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ इसमें भाग लिया, जिससे यह सत्र बेहद आकर्षक और प्रेरणादायक रहा। भारत के सबसे युवा कैबिनेट मंत्री, नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू ने छात्रों को संबोधित किया और इस पहल के दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने कहा कि हम उस जुनून को हासिल करना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि विमानन में ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हों। भारतीय विमानन जिस तरह से बढ़ रहा है, वैसा किसी और देश में नहीं है। उन्होंने भारत के तेज़ी से बढ़ते विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की गति से मेल खाने के लिए प्रतिभाओं को जल्दी से विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

ब्रीफ न्यूज

बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक ने सस्ता कर दिया लोन

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से बुधवार को नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती के ऐलान के कुछ घंटे बाद ही दो सरकार बैंकों-बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक ने अपना कर्ज सस्ता करने का ऐलान कर दिया। पीटीआई की खबर के मुताबिक, दोनों ही बैंकों ने ऋण दर में 25 आधार अंकों की कटौती की घोषणा की है। बैंक ऑफ इंडिया की नई दर बुधवार से प्रभावी हो गई हैं। दोनों बैंकों की तरफ से दरों में की गई कटौती से होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन सहित अन्य लोन सस्ते हो जाएंगे और ईएमआई का बोझ भी थोड़ा कम होगा।

रेलवे लाइन की डबलिंग और बाईपास पर सीसीईए ने 2 प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

नई दिल्ली : पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में फैले 104 किलोमीटर के तिरुपति-पाकला-काटपाडी सिंगल रेल लाइन सेक्शन को डबल करने की मंजूरी दे दी है। बुधवार को सरकार ने बताया कि इस प्रोजेक्ट पर लगभग 1,332 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। सरकार के मुताबिक, लाइन की क्षमता बढ़ने से आवाजाही सुधरेगी और भारतीय रेलवे की कार्यक्षमता बढ़ेगी। बयान में यह भी कहा गया कि इस फैसले से ट्रेनों का संचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी। सरकार ने अपने बयान में कहा कि यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा।

विझिनजाम बंदरगाह पर पहुंचा दुनिया का सबसे बड़ा ईको फ्रेंडली कंटेनर जहाज

मुंबई : अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड द्वारा संचालित केरल के विझिनजाम बंदरगाह ने दुनिया के सबसे बड़े पर्यावरण-अनुकूल कंटेनर जहाज, एमएससी तुर्किये का स्वागत किया। बंदरगाह ने इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया, जिसका संचालन भूमध्यसागरीय शिपिंग कंपनी (एमएससी) द्वारा किया जाता है। अदानी पोर्ट्स द्वारा संचालित, विझिनजाम भारत का पहला मेगा ट्रांसशिपमेंट कंटेनर टर्मिनल है, जो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन से केवल 10 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। एमएससी तुर्की भूमध्यसागरीय शिपिंग कंपनी (एमएससी) द्वारा संचालित है और यूं कहें कि एक आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार है।

लंबी लड़ाई में भारतीय बैंकों ने जीता केस, जब्त होगी विजय माल्या की ब्रिटेन संपत्ति

नई दिल्ली : बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस वाले भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को बड़ा झटका लगा है। एसबीआई के नेतृत्व वाले भारतीय बैंको के एक कंसोर्टियम ने माल्या के खिलाफ ब्रिटेन में दिवालियापन के आदेश को बरकरार रखने के लिए अदालती अपील का केस जीत लिया है। इस तरह लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई में भारतीय बैंकों को बड़ी जीत मिली है। भारतीय बैंक किंगफिशर एयरलाइंस पर बकाया लोन की अदायगी की मांग कर रहे हैं। भारतीय बैंकों ने ब्रिटेन के कोर्ट में माल्या को दिवालिया घोषित करने के लिए याचिका दायर की थी, जिससे वे उनकी ब्रिटेन स्थिति संपत्तियों से अपने कर्ज की वसूली कर सकें।

डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर लगाया अब 125 प्रतिशत टैरिफ

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि वे चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लगा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने साथ ही अधिकांश देशों को बड़ी राहत भी दी है। ट्रंप ने कहा कि वे अधिकतर देशों पर टैरिफ को 90 दिनों के लिए वापस ले रहे हैं। शेयर बाजारों में भारी गिरावट के बीच ट्रंप ने यह फैसला लिया है। ट्रंप के इस फैसले के बाद यूएस मार्केट में बड़ी तेजी देखने को मिल रही है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, चीन ने विश्व के बाजारों के प्रति जो अनादर दिखाया है, उसके आधार पर, मैं तत्काल प्रभाव से संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चीन पर लगाए गए टैरिफ को बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर रहा हूं। उम्मीद है कि निकट भविष्य में चीन यह महसूस करेगा कि अमेरिका और अन्य देशों को लूटने के दिन अब सस्टेनेबल और एक्सेप्टेबल नहीं हैं।

इसके विपरीत, इस तथ्य के आधार पर कि 75 से अधिक देशों ने व्यापार, व्यापार बाधाओं, शुल्कों, मुद्रा हेरफेर और गैर-मौद्रिक शुल्कों से संबंधित विषयों पर बातचीत करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधियों, जिसमें वाणिज्य विभाग, ट्रेजरी और यूएसटीआर शामिल हैं, को बुलाया है और इन देशों ने मेरे सुझाव पर, संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ किसी भी तरह से कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की है, मैंने टैरिफ पर 90 दिनों के लिए विराम लगाने का फैसला लिया है। साथ ही इस अवधि के दौरान 10 प्रतिशत का काफी कम रेसिप्रोकल टैरिफ अधिकृत किया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

चीन द्वारा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 84 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स बिजनेस नेटवर्क को बताया था कि बीजिंग का यह टैरिफ दुर्भाग्यपूर्ण है। बेसेंट ने सुझाव दिया था कि चीन को टैरिफ वॉर से निकलने के लिए बातचीत की टेबल पर आना चाहिए। इसके बाद ट्रंप के पोस्ट ने पूरी बाजी ही पलट दी।

ट्रंप की इस पोस्ट के बाद यूएस मार्केट में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। प्रमुख सूचकांक डाउ जोन्स 6.98 फीसदी बढ़कर 40,271 पर ट्रेड करता दिखाई दिया। एसएंडपी 500 सूचकांक 7.90 फीसदी बढ़कर 5373 पर ट्रेड करता दिखा।

चीन के जवाबी टैरिफ से अमेरिका के तेवर पड़ गए ढीले

नई दिल्ली : चीन द्वारा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 84 फीसदी का जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा के कुछ देर बाद ही इस पर अमेरिका का रिएक्शन आ गया है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स बिजनेस नेटवर्क को बताया कि बीजिंग का यह टैरिफ दुर्भाग्यपूर्ण है। बेसेंट ने सुझाव दिया कि चीन को टैरिफ वॉर से निकलने के लिए से बातचीत के लिए टेबल पर आना चाहिए। उन्होंने कहा, %चीन को उन लोगों को दंडित करने की आवश्यकता है, जो अमेरिका को फेंटानिल एक्सपोर्ट करते हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से उठाते रहे हैं। फेंटानिल एक जानलेवा नशीला पदार्थ है। अमेरिकी एजेंसियों का कहना है कि देश में आने वाला ज्यादातर ओपीओइड फेंटानिल चीन में बना हुआ होता है। ट्रंप का कहना है कि बीजिंग ने अमेरिका को इसका निर्यात रोकने के लिए बहुत थोड़ा काम किया है। वहीं, चीन ने ट्रंप प्रशासन पर इस मुद्दे का इस्तेमाल टैरिफ बढ़ाने के बहाने के रूप में करने का आरोप लगाया था।

भारत की विकास दर वित्त वर्ष 2026 में 6.7 प्रतिशत रहेगी

नई दिल्ली : चालू वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6. 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की संभावना है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत को लेकर बुधवार को यह अनुमान लगाया।

पीटीआई की खबर के मुताबिक, घरेलू मांग में इजाफा, ग्रामीण आय में बढ़ोतरी और मुद्रास्फीति में नरमी के चलते यह विकास दर हासिल होने का अनुमान है। एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) अप्रैल 2025 के मुताबिक, अनुकूल मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों से विकास की गति को बनाए रखने की उम्मीद है।

खबर के मुताबिक, एडीबी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भी भारत की जीडीपी में 6. 8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को वैश्विक व्यापार और नीति अनिश्चितताओं के प्रभाव के चलते चालू वित्त वर्ष के लिए अपने जीडीपी पूर्वानुमान को पहले के 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया।

आरबीआई के 0.25 प्रतिशत रेट कट से विकास को मिलेगा बल : सीतारमण

नई दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को नीतिगत दरों में कटौती के रिजर्व बैंक के फैसले का स्वागत किया।

वित्त मंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी से प्रेरित वैश्विक अनिश्चितताओं के मद्देनजर भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास को बनाए रखने के लिए केंद्रीय बैंक और मंत्रालय दोनों से समर्थन की जरूरत होगी। पीटीआई की खबर के मुताबिक, सीतारमण ने अमेरिकी व्यापार शुल्कों द्वारा जारी वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल के बीच घरेलू मांग के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित ताकत पर विश्वास व्यक्त किया।

खबर के मुताबिक, रिजर्व बैंक द्वारा दरों में कटौती की घोषणा पर, मैं वास्तव में खुशी के साथ इसका स्वागत करती हूं, क्योंकि विकास बहुत महत्वपूर्ण है, रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती के बारे में पूछे जाने पर वह स्तर जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को उधार देता है, इसलिए उधार लेने की लागत को प्रभावित करता है।

गुजरात टाइटंस प्लेऑफ के करीब, राजस्थान रॉयल्स की टीम रसातल में पहुंची

मुंबई : शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस ने आईपीएल का एक और मैच अपने नाम कर लिया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के बाद अब गुजरात टाइटंस की टीम अंक तालिका में पहले नंबर पर पहुंच गई है।

खास बात ये भी है कि टीम अब पहले नंबर पर ही नहीं, बल्कि प्लेऑफ के भी काफी करीब है। वहीं बात अगर राजस्थान रॉयल्स की करें तो इस टीम का हाल खराब है। टीम ने मैच तो गंवाया ही, इसके साथ ही टीम को बड़ी हार मिली है, इसलिए उसके नेट रन रेट पर भी बड़ा असर पड़ा है।

गुजरात टाइटंस बनाम राजस्थान रॉयल्स के मैच के बाद अगर अंक तालिका की बात करें तो अब जीटी पहले पर पहुंच गई है। टीम ने अब तक खेले गए 5 मैचों से चार में जीत दर्ज की है और उसे केवल एक ही मैच में हार का सामना करना पड़ा है। टीम को पहले ही मैच में हार मुंह देखना पड़ा था, लेकिन इसके बाद टीम बैक टू बैक चार मैच जीते और अब अंक तालिका के शीर्ष पर है।

चार जीत से उसके पास आठ अंक हो गए हैं। अब यहां से बचे हुए 9 में से अगर टीम पांच मैच और जीत जाती है तो फिर उसकी जगह प्लेऑफ में सुरक्षित हो जाएगी।

उम्मीद की जानी चाहिए कि टीम ने जीत का जो सिलसिला शुरू किया है, वो आगे भी जारी रहेगा।

गिल की कप्तानी में चमक रही गुजरात टाइटंस, घर पर राजस्थान रॉयल्स को दी शिकस्त

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 सीजन का 24वां मुकाबला गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया जिसमें गुजरात की टीम ने 58 रनों से जीत हासिल करने के साथ इस मुकाबले को अपने नाम किया। शुभमन गिल की कप्तानी में खेल रही गुजरात टाइटंस की टीम की ये इस सीजन चौथी जीत है। इस मुकाबले में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम ने 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 217 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके जवाब में राजस्थान की टीम 159 रनों का ही स्कोर बनाने में सफल हो सकी। गुजरात की तरफ से बल्लेबाजी में जहां साईं सुदर्शन का कमाल देखने को मिला तो वहीं गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना कमाल दिखाया।

इस मुकाबले में राजस्थान की टीम जब 218 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी तो उसने 10 के स्कोर पर ही अपना पहला विकेट यशस्वी जायसवाल के रूप में गंवा दिया। इसके बाद नितीश राणा भी इस मैच में सिर्फ एक रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। यहां से संजू सैमसन और रियान पराग के बीच तीसरे विकेट के लिए एक छोटी साझेदारी देखने को मिली लेकिन पराग 26 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। राजस्थान की टीम ने 116 के स्कोर तक अपनी आधी टीम गंवा दी थी, जिसके बाद उनके लिए इस मुकाबले में वापसी करना काफी मुश्किल हो गया था।

संजू सैमसन के बल्ले से जहां 41 रन देखने को मिले तो वहीं शिमरन हेटमायर ने 52 रनों की पारी खेली लेकिन दोनों ही इस मैच में अपनी टीम को जीत दिलाने में कामयाब नहीं हो सके। गुजरात के लिए गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन जबकि राशिद खान और आर साई किशोर ने 2-2 विकेट हासिल किए।

गुजरात टाइटंस टीम की इस मुकाबले में पारी को लेकर बात की जाए तो उनकी तरफ से साईं सुदर्शन के बल्ले का कमाल देखने को मिला जिन्होंने 53 गेंदों में शानदार 82 रनों की पारी खेली। वहीं इसके अलावा जोस बटलर और शाहरुख खान ने 36-36 रन बनाए जबकि राहुल तेवतिया ने 24 रनों की नाबाद पारी खेली। इस मैच में राजस्थान के लिए गेंदबाजी में तुषार देशपांडे और महेश तीक्ष्णा ने 2-2 विकेट हासिल किए।

रियान पराग आउट या नॉट आउट, क्या तीसरे अंपायर से भी हो गई गलती?

नई दिल्ली : गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले जा रहे आईपीएल 2025 के मुकाबले में एक बार फिर से सवाल उठ खड़ा हुआ है। दरअसल ये सवाल रियान पराग को लेकर है, जो अपने आउट दिए जाने के फैसले से कतई खुश नहीं थे। उन्होंने तीसरे अंपायर का भी सहारा लिया, लेकिन वहां से भी उन्हें रेड सिग्नल ही आया। हालांकि आखिर में उन्हें अंपायर के निर्णय पर वापस पवेलियन जाना ही पड़ा। लेकिन इसे पूरे मामले ने सवाल तो खड़े कर ही दिए हैं।

गुजरात टाइटंस ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 217 रन बना दिए थे। यानी राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 218 रनों की जरूरत थी। लेकिन राजस्थान रॉयल्स को पहला झटका जल्द ही लगा गया। जब टीम का स्कोर केवल दस ही रन था, तभी यशस्वी जायसवाल केवल 6 रन बनाकर चलते बने। उन्होंने सात बॉल का सामना किया और एक ही चौका लगा पाए। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नितीश राणा भी केवल तीन बॉल पर एक रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि दूसरा छोर कप्तान संजू सैसमन ने संभाल रखा था।

दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कमान संभाली संजू सैमसन के साथ रियान पराग ने। दोनों ने मिलकर तेजी से रन बनाए और विकेट भी नहीं गिरने दिया। टीम का दूसरा विकेट तीसरे ही ओवर में चला गया था, लेकिन पावरप्ले समाप्त होने तक टीम को कोई और नुकसान नहीं हुआ और रन भी 50 के पार चले गए। इससे

टीम एक मजबूत स्थिति में आती हुई नजर आई। लेकिन तभी जब टीम का स्कोर 60 रन था, तब रियान पराग आउट हो गए।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने बॉल कुलवंत खेजरोलिया को सौंप दी रियान पराग ने इसे डीप बैकवर्ड पॉइंट की ओर भेजने की कोशिश की। गेंद कीपर के पास गई और जॉस बटलर ने बिना कोई गलती किए कैच पकड़ लिया। अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया, लेकिन रियान पराग इससे संतुष्ट नहीं थे।

बिली जीन किंग कप के पहले मैच में भारत को मिली न्यूजीलैंड से हार

नई दिल्ली : भारत ने बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की। मेजबान टीम ने शानदार शुरुआत की और श्रीवल्ली भामिदिपति ने अपने मैच में बेहतरीन जीत दर्ज की, लेकिन न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया और पुणे के म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में 2-1 से मुकाबला जीत लिया।

भारत के लिए सबसे पहले श्रीवल्ली भामिदिपति का सामना आइशी दास से हुआ। भारतीय युवा खिलाड़ी (जो अब तक लगातार रैंकिंग में ऊपर जा रही हैं) ने राष्ट्रीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया।

राजस्थान की हार का सबसे बड़ा विलेन बना ये खिलाड़ी, अपनी रंगबाजी के चक्कर में टीम का बेड़ा गर्क

नई दिल्ली : राजस्थान रॉयल्स को एक और दफा आईपीएल के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। टीम की ये पांच मैचों में तीसरी हार है। टीम के पास अब केवल चार ही अंक हैं क्योंकि उसे केवल दो ही मैचों में जीत मिली है। राजस्थान रॉयल्स की टीम ये मैच जीत सकती थी, लेकिन एक खिलाड़ी अपनी रंगबाजी के चक्कर में टीम का बेड़ा गर्क किए दे रहा है।

मौके की नजाकत को ना भांपते हुए पहली ही बॉल से चौके और छक्कों के चक्कर में पड़ रहा है और टीम को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हम बात कर रहे हैं यशस्वी जायसवाल की, जो अब तक टीम के लिए केवल एक ही बार 50 प्लस रन की पारी खेल पाए हैं, बाकी हर बार वे फ्लॉप ही साबित हो रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स ने यशस्वी जायसवाल को 18 करोड़ रुपये की मोटी रकम में रिटेन किया था। उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देंगे और टीम की जीत में मदद करेंगे, लेकिन यहां तो कुछ और ही हो रहा है। वे टीम को संकट में डालने का काम कर रहे हैं। बात आईपीएल 2025 के पहले मैच से शुरू करते हैं। जब राजस्थान रॉयल्स की टीम पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलने के लिए उतरी तो जायसवाल केवल एक ही रन बनाकर चलते बने। टीम ये मैच हार गई। इसके बाद दूसरे मैच में जब राजस्थान का मुकाबला केकेआर से हुआ तो जायसवाल केवल 29 रन बनाकर आउट हो गए।

मान ही राजाओं का शरीर कहलाता है।

– भास

शेयर बाजार औंधे मुंह गिर रहे

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ वार से दुनिया के देशों में हाहाकार, कोहराम मचा है। शेयर बाजार औंधे मुंह गिर रहे हैं। भारत की सूचीबद्ध कंपनियों के, एक ही दिन में, 14 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूब गए। आकलन है कि इसी सत्र में भारतीय बाजार के 50-60 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ताइवान आदि देशों में भी निवेश स्वाहा हुए हैं, लिहाजा निवेशक अपना शेष धन बचाने के लिए इधर-उधर प्रयासरत हैं।

करीब 50 देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की पेशकश की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब अमरीका ने नहीं दिया है। हालांकि टैरिफ वार के बाद अमरीकी कंपनियों का मार्केट कैप भी करीब 516 लाख करोड़ रुपए (करीब 6 लाख करोड़ डॉलर) घट चुका है। यह राशि भारतीय जीडीपी से डेढ़ गुणा ज्यादा के करीब है। हालात ऐसे बन गए हैं कि अमरीका में ही आर्थिक मंदी की आशंका 35 फीसदी से बढ़ कर 45 फीसदी हो गई है।

बहरहाल अमरीका में जन-सैलाब सड़कों पर उमड़ा है। लोग राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ के साथ-साथ अन्य नीतियों का भी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। ट्रंप जनवरी, 2025 में ही दूसरी बार अमरीका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए हैं। इतनी जल्दी उनकी लोकप्रियता के पतन को देखकर हर कोई हैरान है। शायद ऐसा किसी भी अमरीकी राष्ट्रपति के संदर्भ में नहीं हुआ! बेशक टैरिफ वार का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा, लिहाजा अमरीका के मित्र माने जाने वाले यूरोप और नाटो देश भी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन सरीखी अंतरराष्ट्रीय पंचायतों पर भी प्रहार किए हैं और वह वैश्वीकरण की धारणा और व्यवस्था को ही खत्म करने पर आमादा हैं, नतीजतन दुनिया की स्थापित 'सप्लाई चेन' भी खंडित होगी, लिहाजा नए व्यापारिक समीकरण बनेंगे और नई सप्लाई चेन भी स्थापित हो सकती है।

मंदी के आसार बनेंगे। सरकारों को तैयार हो जाना चाहिए। यदि देश अमरीका पर ही टैरिफ लगाते हैं और अन्य देशों पर पहले जैसा ही टैरिफ वसूलते हैं, तो उसके परिणाम अलग होंगे। अमरीका के टैरिफ प्रहार पर फिलहाल भारत सरकार खामोश और निश्चिंत लग रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय आगामी 6 सप्ताह तक टैरिफ वार के चौतरफा प्रभावों का विश्लेषण करना चाहता है।

ऐतिहासिक मंदिर भागसूनाग

देवभूमि हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध प्राचीन ऐतिहासिक मंदिर भागसूनाग के लिए धर्मशाला-मकलोडगंज को विश्व भर में जाना जाता है। भागसूनाग मंदिर का नाम दैत्य अजमेर राज्य के राजा भागसू के नाम व हिमालय के बारिश के देवता नाग देवता के नाम पर पड़ा। उक्त स्थान व मंदिर का इतिहास द्वापर युग से जुड़ा हुआ बताया जाता है। द्वापर युग में हिमालय के राजा नाग देवता का अजमेर राज्य के दैत्य यानी राक्षसों के राजा भागसू से धौलाधार की तलहटी में स्थित स्थान, जिसे आज भागसूनाग के नाम से जाना जाता है, में युद्ध हुआ था। दंत कथाओं के अनुसार द्वापर युग के मध्यकाल में दैत्यों के राजा भागसू की राजधानी अजमेर देश में थी।

उसके राज्य में बहुत दिनों से पानी न बरसने के कारण उसकी प्रजा के प्रमुखों ने उठकर अपने राजा भागसू से प्रार्थना की कि आप पानी का प्रबंध करें या हम इस देश को छोड़कर अन्य देश में चले जाएंगे। दैत्य राज भागसू ने प्रजा प्रमुखों को आश्वासन दिया और स्वयं उठकर पानी की तलाश में निकल पड़े।

भागसू दैत्य मायावी होने के कारण दो ही दिनों में नाग डल के पास पहुंच गया। नाग डल धौलाधार पहाड़ की चोटी पर 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है। नाग डल में पानी काफी गहरा है तथा दूर-दूर तक फैला है। नाग देवता के धौलाधार के पवित्र नाग डल से अपनी शक्तियों से दैत्य भागसू बिना बताए चोरी-छुपे ही अपने अकाल व सूखे पड़े राज्य अजमेर के लिए अपनी जादुई शक्तियों से एक कमंडल में समाहित कर समस्त जल ले चला था। हिमालय के राजा नाग देवता जब भ्रमण करने के बाद सायंकाल में अपने नाग डल सरोवर में पहुंचे, तो उसे पूरी तरह से खाली पाया। इस बात पर नाग देवता अपनी शक्तियों से भागसू के पदचिन्हों को देखते हुए उसी स्थान पर पहुंच गए, जहां पर रात्रि हो जाने पर भागसू विश्राम कर रहा था। तभी नाग व भागसू दोनों में मौजूदा मंदिर वाले स्थान में भयंकर द्वंद्व युद्ध हुआ था। नाग देवता ने दैत्य को पराजित कर दिया। युद्ध से गंभीर अवस्था में घायल स्थिति में दैत्य भागसू ने नाग देवता को अपनी सभी बातें बताकर उनकी स्तुति भी की। जिसके बाद नाग देवता ने उनकी अंतिम इच्छा के बारे में पूछा, तब भागसू ने अपने राज्य में बारिश व पानी सहित उसके नाम को भी आदर योग्य बनाकर ख्याति मिलने की इच्छा रखी थी।

नाग देवता ने उनकी इच्छा को पूर्ण करते हुए उनके राज्य में बारिश भी करवाई और उक्त स्थल में उनका नाम यानी नाग से पहले भागसू नाम लेने का वरदान दिया, तभी से उक्त स्थल को भागसूनाग नाम से जाना जाता है। इस युद्ध के दौरान ही कमंडल भी उक्त स्थल में गिर गया था, जिससे मंदिर वाले स्थान में निर्मल जल बहने लगा, जबकि धौलाधार के पवित्र नाग डल में भी पुनः पानी लौट आया था। तभी से भागसूनाग में निर्मल जल बह रहा है। वहीं, दंत कथाओं के अनुसार बताया जाता है कि उक्त युद्ध को हुए 10 हजार 50 से भी अधिक वर्ष बीत चुके हैं।

कब हुई भागसूनाग मंदिर की स्थापना- भागसूनाग मंदिर की स्थापना 5080 वर्ष पहले हुई बताई जाती है। कलियुग के प्रवेश में यहां धर्म चंद राजा राज्य करते थे, उस वक्त भगवान शंकर भागेश्वर ने उन्हें स्वप्न में कहा कि नाग देवता के पवित्र जल की स्थापना यहां होनी है और वह भी स्वयं यहां पर आ गए हैं। इस दौरान ही उक्त स्थल पर स्वयंभू शिवलिंग भी प्रकट हुआ था। राजा ने स्वप्न के अनुसार भागसूनाग मंदिर की स्थापना 5080 वर्ष पहले की। इस पवित्र स्थान में स्नान करने के लिए दूर-दूर से यहां भक्त पहुंचते हैं।

अब इस स्थान को भागसूनाग कहा जाता है। यहां आने वाले लोग भागसूनाग डल के पानी में डुबकी लगाते हैं, जिससे चमड़ी सहित कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है। अब इस स्थान में स्नान के लिए बढ़िया तालाब भी बनाया गया। स्थानीय लोगों ने भी मंदिर के विकास व उचित व्यवस्था किए जाने के लिए कार्य किया है। वर्तमान समय में मंदिर के विकास व श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने मंदिर को अपने अधीन ले लिया, अब मंदिर को और ज्यादा विकसित किए जाने के प्रयास शुरू हुए हैं। इसके तहत तीन करोड़ से अधिक बजट से एशियन डिवलपमेंट बैंक यानी एडीबी के तहत भी काष्ठकुणी शैली में कार्य किया जा रहा है, जोकि अभी भी जारी है।

मंदिर में जीवित समाधियां- भागसूनाग मंदिर में सदियों से पूजा-पाठ होता आ रहा है। भगवान शिव व नाग देवता की पूजा उक्त स्थल में की जाती है। इसके चलते ही सदियों से ही कई साधु-संतों ने यहां पर आकर तपस्या व पूजा-पाठ किए। इस दौरान कई साधु-संतों ने यहां पर समाधियां भी ली हैं, बताया जाता है कि जिन साधुओं ने यहां जीवित समाधी ली है, यहां पर अखंड धूणा भी जलाया जाता है।

प्रभु की रजा में रहना

यदि कोई व्यक्ति आपको प्रणाम न करे, तो आप आगे होकर धन निरंकार करें। बड़े होने के कारण आपका फर्ज बनता है कि आपसे घर में बच्चों को अच्छे संस्कार मिलें, भक्तिभाव व प्यार मिले। आप अपना प्यार बच्चों को दें, ये उनका हक है। यदि शरीर में पीड़ा, ताप, खांसी या कोई रोग हो तो तुरंत किसी चिकित्सक से उपचार करवाएं, रोग को बढ़ने न दें। एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ आत्मा का वास होता है। अपने शरीर की संभाल करना आपका प्रथम कर्त्तव्य है। शरीर को पूरी नींद दें। पूरी नींद न लेने के कारण शरीर में आलस्य उत्पन्न होता है जिससे स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। समय पर भोजन करना, कम खाना, अधिक पानी पीना और अपना शरीर साफ सुथरा रखना, साफ सुथरे वस्त्र पहनना अच्छी आदत है। अपने आपको चुस्त और व्यस्त रखना। खाली समय में धार्मिक पुस्तकें पढ़ना, गीत बोलने और घर के कार्यों में हाथ बंटाने से आपके शरीर में आलस्य व नसों का खिंचाव नहीं आएगा। सुबह जल्दी उठें, सैर करें, व्यायाम करें, तेल की मालिश करें, स्नान करें तथा मन में रोज प्रण लें कि आज मैं हंसता रहूंगा और किसी का दिल नहीं दुखाऊंगा। परिवार में सबसे बड़े होने के कारण सबको क्षमा करते जाएंगे और अपना प्रेम देंगे। बेटे-बहुओं से मधुरता से बात करें। बच्चों से हंसते, खेलते हुए घर का माहौल आनंददायक बनाए रखना है। यत्न करें कि हर संगत में जाएं, समय मिले तो गीत बोलें या विचार करें। घर में आकर विचारों का मनन

करें। सहजता, सरलता, विनम्रता, मधुरता, बुढ़ापे को गुणों से सुशोभित करते हैं। बुढ़ापे में अकसर देखा जाता है कि मनुष्य का अधिक बोलना, हर समय बोलना, अपने आपको बड़ा समझते हुए सबको नसीहत देते रहना, टोका टाकी करते रहने का स्वभाव हो जाता है, इससे बचना है ताकि इससे घर में आपकी इज्जत घट न जाए। शांत रहो, आनंद से रहो, विशाल हृदय बनाओ, नाराज न हों, क्रोध न करना, शरीर में दुख नहीं आएगा, टेंशन नहीं होगी। जब अंत समय आए तो डरना नहीं। निरंकार तुम्हारे सामने इसका ध्यान करना है। सुमिरन करना है। अपने आपको डगमगाना नहीं। हंसते-हंसते अपने घर जाना है। यही कारण है कि तू मेरा और मैं तेरा हूं, तू ही निरंकार, मैं तेरी शरण हां, मैंनू बख्श लो। सद्गुरु ने हमें सिखाया है कि इस निरंकार की शरणागत होने के पश्चात मौत का भय नहीं करना। कल किसने देखा है, हम आज का मौका खोए क्यूं, सागर जीवन हंसने के लिए, हम बात-बात पर रोये क्यूं, मुरशद ये पाया पूरा है, ये तो आनंद का सागर है, ये कदम-कदम रखवाला, हम चिंता बोझे ढोए क्यूं। प्रति व्यक्ति का सामान्यत: 100 वर्ष तक जीने का अधिकार है। प्रत्येक व्यक्ति को रोग से बचने का अधिकार है। प्रत्येक व्यक्ति को आनंद से जीने का अधिकार है। परंतु मनुष्य इन अधिकारों का प्रयोग नहीं करता है। समयानुसार हर मनुष्य के शरीर पर समय का असर होता है। शरीर में हांड, मांस, रक्त, नसें, बुद्धि, दृष्टि आदि की शक्ति क्षीण होती जाती है। परंतु मनुष्य को अपने तन की प्रक्रिया के अनुसार खान-पान का ध्यान रखना व चुस्त-दुरुस्त रहना चाहिए। तनाव व अशांति को समीप न आने दें। बैठें तो आनंद से, खाएं तो आनंद से, सोएं तो आनंद से, चलें तो आनंद से, बोलें तो आनंद से। अपने चारों ओर परमानंद निरंकार को देखें और कहें कि चौगिर्द हमारे राम कार दुख लगे न भाई। हे मेरे निरंकार प्रभु, तू मेरे साथ है तो आनंद ही आनंद है।

किसी स्थान पर दो दिन से ज्यादा नहीं रहना चाहिए

गौतम ने कहा, आप इतना चिंतित क्यों हैं? समस्या क्या है? वे सब खड़े होकर चिल्लाने लगे, गौतम ने कहा, रुकिए! मैं इस मार्ग पर इसलिए हूं क्योंकि मैं देखता हूं कि यह जीने का सबसे शक्तिशाली तरीका है। लेकिन आप लोग मुझे बता रहे हैं कि उसके तरीके मेरे तरीकों से ज्यादा शक्तिशाली हैं...

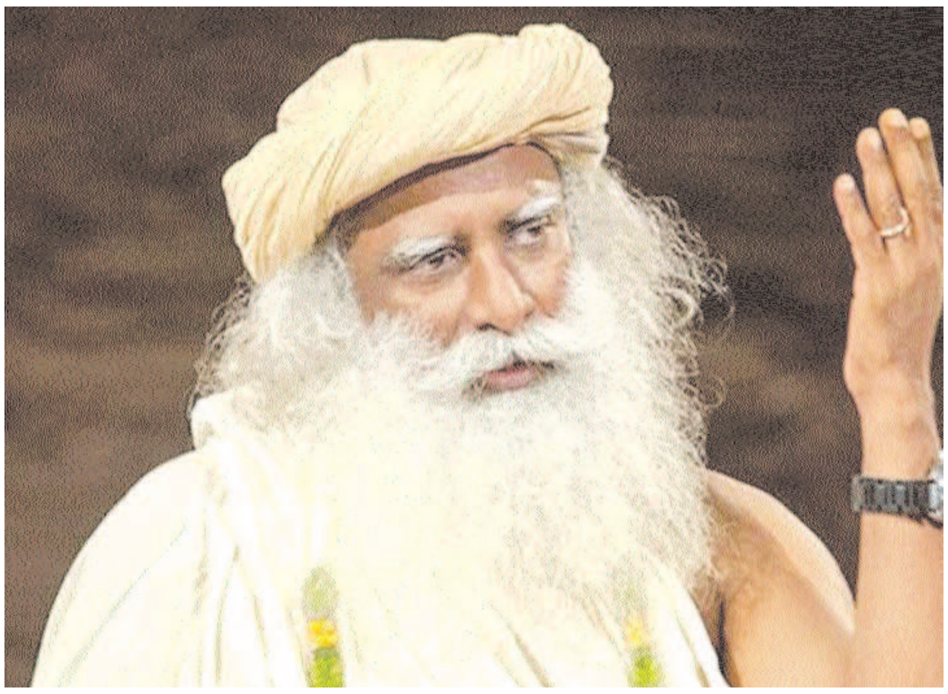

गौतम बुद्ध अपने दौर में लगातार यात्रा करते रहते थे और आम तौर पर उनके शिष्यों का एक बड़ा दल उनके साथ रहता था। रास्ते में आम तौर पर भिक्षु कई घरों में आश्रय लिया करते थे। गौतम ने उनके लिए एक नियम बनाया था कि उन्हें किसी स्थान पर दो दिन से ज्यादा नहीं रहना चाहिए ताकि मेजबानों पर ज्यादा बोझ न पड़े। अन्यथा दस लोगों को एक महीने तक घर में टिकाना ज्यादातर घरों के लिए बहुत कठिन होगा। यह बस एक दिन भी हो सकता है, लेकिन दो दिन की अनुमति थी क्योंकि वे लंबी दूरी चल रहे होंगे और सुस्ताने के लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिए। हालांकि, गौतम ने कहा कि मानसून के समय वे एक जगह पर दो से ढाई महीने रुक सकते हैं, क्योंकि उस समय जंगल से होकर चलना जोखिम भरा हो सकता है और कई लोगों की जान जा सकती है। तो, वे एक बड़े नगर में रुकते थे और कई घरों में आश्रय लेते थे। मानसून के एक मौसम में, भिक्षु किसी नगर में लोगों से भिक्षा लेने के लिए बाहर गए। आनंद, जो भिक्षु बनने से पहले गौतम का बड़ा चचेरा भाई था, बाहर गया और उसने नगर में एक वेश्या से भिक्षा प्राप्त की। वेश्या ने उस पर नजर डाली और कहा, वह एक सुंदर लंबा और सीधा युवक था, मैंने सुना है कि भिक्षु आश्रय की तलाश में हैं। तुम आकर मेरे घर में क्यों नहीं रहते? आनंद ने कहा कि उसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उसे बुद्ध से पूछना चाहिए कि उसे कहां रहना चाहिए। औरत ने उसे ताना मारते हुए कहा, ओह तुम अपने गुरु से पूछने जा रहे हो? जाकर उनसे पूछो, देखते हैं कि वे क्या कहते हैं। आनंद ने दिन में जो कुछ इकट्ठा किया था उसे लाकर गौतम के चरणों में रख दिया और फिर पूछा, इस स्त्री ने मुझे आमंत्रित किया है। क्या मैं वहां रह सकता हूं? गौतम ने कहा, अगर वह तुम्हें इतने स्नेह से आमंत्रित कर रही है, तो तुम्हें वहां जाकर रहना चाहिए। जब उनके आसपास इकट्ठा हुए नगर के लोगों ने यह सुना, तो शोर मच गया। उन्होंने कहा, एक भिक्षु किसी वेश्या के घर में कैसे रह सकता है? यह आध्यात्मिक प्रक्रिया भ्रष्ट हो गई है। गौतम ने कहा, आप इतना चिंतित क्यों हैं? समस्या क्या है? वे सब खड़े होकर चिल्लाने लगे, गौतम ने कहा, रुकिए! मैं इस मार्ग पर इसलिए हूं क्योंकि मैं देखता हूं कि यह जीने का सबसे शक्तिशाली तरीका है। लेकिन आप लोग मुझे बता रहे हैं कि उसके तरीके मेरे तरीकों से ज्यादा शक्तिशाली हैं। अगर यह सच है तो मुझे भी जाकर उसके साथ रहना चाहिए अगर आप सच्चे साधक हैं, तो इसे वैसा ही होना चाहिए। अगर आप किसी को अधिक ऊंचा पाते हैं, तो आपको उसके लिए जाना चाहिए। फिर भी, कई लोग चिल्लाते रहे और उनमें से कई चले गए।

संकष्टी चतुर्थी : भगवान् गणेश से पाएं वरदान

संकष्टी चतुर्थी माघ मास में कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को कहा जाता है। इस चतुर्थी को माघी चतुर्थी या तिल चौथ भी कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। इस दिन भगवान श्रीगणेश की आराधना सुख-सौभाग्य आदि प्रदान करने वाली कही गई है। संकष्टी चतुर्थी व्रत करने से घर-परिवार में आ रही विपदाएं दूर होती हैं। कई दिनों से रुके हुए मांगलिक कार्य संपन्न होते हैं तथा भगवान श्रीगणेश असीम सुखों को प्रदान करते हैं। इस दिन गणेश कथा सुनने अथवा पढ़ने का विशेष महत्व माना गया है। व्रत करने वालों को इस दिन यह कथा अवश्य पढ़नी चाहिए। तभी व्रत का संपूर्ण फल मिलता है।

व्रत विधि

भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने हेतु संकष्टी चतुर्थी का व्रत इस प्रकार करना चाहिए - सर्वप्रथम व्रत करने वाले को चतुर्थी के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करना चाहिए। इस दिन व्रतधारी लाल रंग के वस्त्र धारण करे तो विशेष लाभ होता है। श्रीगणेश की पूजा करते समय

व्रती को अपना मुंह पूर्व अथवा उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए। तत्पश्चात स्वच्छ आसन पर बैठकर भगवान गणेश का पूजन करें। इसके बाद फल, फूल, रौली, मौली, अक्षत, पंचामृत आदि से भगवान गणेश को स्नान करा कर विधिवत प्रकार से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। गणेश पूजन के दौरान धूप-दीप आदि से श्रीगणेश की आराधना होनी चाहिए। भगवान गणेश को तिल से बनी वस्तुओं, तिल-गुड़ के लड्डू तथा मोदक का भोग लगाना चाहिए। 'ओउम सिद्ध बुद्धि सहित महागणपति आपको नमस्कार है', इस वाक्य के साथ नैवेद्य के रूप में मोदक व ऋतु फल आदि अर्पित करना चाहिए। सायं काल में व्रतधारी संकष्टी गणेश चतुर्थी की कथा पढ़े अथवा सुने और सुनाए। तत्पश्चात गणेशजी की आरती करें। विधिवत तरीके से गणेश पूजा करने के बाद गणेश मंत्र 'ओउम गणेशाय नमः' अथवा 'ओउम गणपतये नमः' की एक माला, यानी 108 बार गणेश मंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए। इस दिन व्रत करने वाले को अपनी सामर्थ्य के अनुसार गरीबों को दान आदि देना चाहिए। तिल-गुड़ के लड्डू, कंबल या कपड़े आदि का दान करें।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक लोकेश सूद द्वारा 109/6, लोअर बाजार, शिमला से प्रकाशित तथा भारतेन्दु ऑफसैट प्रिंटिंग प्रैस, औद्योगिक क्षेत्र, ख्वारा चौकी, शोघी, शिमला-173219 से मुद्रित। व्यवस्थापक सीमा सूद।
सम्पादकीय कार्यालय एवं फैक्स : 2808285
आर.एन.आई.नं. एचपीएचआईएन/ 2000/2437
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. एच पी/68/एस एम एल
bhartendushikhar20@yahoo.com

देश-विदेश

ट्रांसशिपमेंट रद्द करने से बांग्लादेश में हड़कंप, वाणिज्य मंत्रालय ने की आपात बैठक

ढाका : चीन के साथ मिलकर भारत को आंख दिखाना बांग्लादेश को भारी पड़ गया है। भारत ने बांग्लादेश को उसकी हरकते के लिए बड़ा जवाब दिया है। दरअसल भारत ने बांग्लादेश की ओर से अपनी ट्रांसशिपमेंट सुविधा वापस ले ली है। भारत के इस फैसले से बांग्लादेश में हड़कंप मच गया है। बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने ढाका में एक आपात बैठक की है। भारत की ओर से मिलने वाली ट्रांसशिपमेंट सुविधा के तहत बांग्लादेश अपने माल को नेपाल, भूटान और म्यांमार जैसे देशों को भारतीय मार्गों के जरिए निर्यात कर सकता था। 'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को ढाका के कारवां बाजार में निर्यात संवर्धन ब्यूरो (ईपीबी) के कार्यालय में आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें देश के वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और प्रमुख कारोबारी नेताओं ने भाग लिया।

1000 पेज की चार्जशीट दायर, आरोपपत्र में फोरेंसिक रिपोर्ट, फिंगर प्रिंट्स-जांच रिपोर्ट

मुंबई : अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने करीब तीन महीने बाद 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। बांद्रा पुलिस ने कथित बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद को इसमें मुख्य आरोपी बताया है। चार्जशीट में कई नई बातें खुलकर सामने आई हैं, जिसमें फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट, फिंगर प्रिंट्स, हमले के लिए इस्तेमाल हथियार का जिक्र है। एक पुलिस अधिकारी ने चार्जशीट को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ने अपने बैग में एक चाकू, एक हैकसॉ ब्लेड और एक हथौड़ा रखा था। इस आरोपपत्र में फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट जिक्र है। इसमें कहा गया है कि क्राइम सीन पर मिला चाकू का टुकड़ा, सैफ अली खान के शरीर से मिला टुकड़ा और आरोपी के पास से बरामद तीनों टुकड़े मेल खाते हैं।

दिल्ली दंगा मामले में कपिल मिश्रा के खिलाफ जांच पर लगी रोक

नई दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने फरवरी 2020 के दंगों में कथित भूमिका को लेकर दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ की जांच पर 21 अप्रैल तक रोक लगा दी है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने मिश्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया, जिसके बाद मामले में नया मोड़ आ गया है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने बुधवार को मिश्रा की याचिका पर सुनवाई के बाद जांच पर रोक लगा दी।

एचएएस एवं परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने राज्यपाल से की भेंट

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से राजभवन में हिमाचल प्रशासनिक सेवाएं (एचएएस) के 22 अधिकारियों एवं वर्ष 2024 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भेंट की। यह परिवीक्षाधीन अधिकारी जिला शिमला के फेयरलॉन स्थित डॉ. मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) में पेशेवर प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं। परिवीक्षाधीन अधिकारियों से संवाद करते हुए राज्यपाल ने उन्हें प्रशासनिक सेवाओं में आने पर बधाई दी और उन्हें समर्पण एवं निष्ठापूर्वक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि एचएएस अधिकारियों को न केवल एक प्रशासक की तरह कार्य करना चाहिए बल्कि एक मार्गदर्शक, सहयोगी और दोस्त की तरह

आमजन से संवाद स्थापित करना चाहिए। राज्यपाल ने प्रशासनिक सेवाओं के दौरान सत्यनिष्ठा, ईमानदारी समर्पण एवं संतुलित स्वभाव जैसी विशेषताओं को आचरण में शामिल करने पर बल दिया।

शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि कानून और नियमों का ज्ञान होना आवश्यक है लेकिन जो अधिकारी जनता के मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता रखता है और निष्ठापूर्वक समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करता है उसे समाज में सराहना मिलती है तथा ऐसे अधिकारी द्वारा किए गए कार्यों को लंबे समय तक याद किया जाता है। राज्यपाल ने सभी अधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उचित दृष्टिकोण, समर्पण और सकारात्मकता के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह न केवल व्यवसायिक विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में भी सहायक होता है। इससे पूर्व, अतिरिक्त निदेशक हिपा प्रशांत सरकैक ने राज्यपाल को परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने युवा अधिकारियों के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए राज्यपाल का आभार व्यक्त किया।

फैसला लेने से पहले प्रबंधक कमेटियों को विश्वास में लें

ऊना : हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी सभा प्रबंधक समिति संघ की बैठक राज्य प्रधान डा. यशवंत सिंह राणा की अध्यक्षता में दि टब्बा कृषि सेवा सहकारी सभा जलग्रां टब्बा में संपन्न हुई। बैठक में प्रबंधन समितियों को पेश आ रही विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान सरकार व रजिस्ट्रार कोआप्रेटिव सोसाइटी से मांग की गई कि सहकारी सभा और सभा के कर्मचारियों के प्रति कोई नीतिगत निर्णय लेने से पहलेसहकारी समितियों की प्रबंधन कमेटियों को विश्वास में लिया जाए। वहीं कांगड़ा सैंट्रल कोआप्रेटिव बैंक द्वारा सहकारी समिति की जमापूंजी पर ब्याज में कटौती करने को भी अनुचित करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे सहकारी समितियों के कारोबार पर गलत असर पड़ेगा। इसके अलावा सभी ने इफ्को और कृषको जैसी मल्टी स्टेट सहकारी समितियों में प्रतिनिधियों के चुनाव पर भी कड़ा एतराज जताया गया।

राज्यपाल ने विशेष ओलंपिक रजत पदक विजेता हर्षिता ठाकुर को सम्मानित किया

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : इटली में आयोजित विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में भारत के लिए स्नोबोर्डिंग में रजत पदक जीतने वाली शिमला की हर्षिता ठाकुर ने राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने हर्षिता को हिमाचली टोपी और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हर्षिता की कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प ने केवल हिमाचल प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया है। राज्यपाल ने कहा कि हर्षिता युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनकर उभरी हैं। उनकी कड़ी मेहनत ने साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे पाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रह सकता। हर्षिता इसी भावना का एक जीवंत उदाहरण है।

हर्षिता ने राज्यपाल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपनी भेंट के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से भेंट उनके लिए एक यादगार और प्रेरणादायक क्षण है। राज्यपाल ने हर्षिता को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वह आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश व प्रदेश का नाम रोशन करती रहेंगी। हर्षिता ठाकुर के पिता सोहन लाल और माता सरिता ठाकुर भी इस अवसर पर मौजूद थे।

दिव्यांग श्रेणी से कनिष्ठ कार्यालय सहायक पदों के लिए दस्तावेजों का सत्यापन 10 व 11 अप्रैल को

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : ग्रामीण विकास विभाग के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि विभाग द्वारा 3 जनवरी, 2025 को दिव्यांग श्रेणी से कनिष्ठ कार्यालय सहायक (आई.टी.) के चार पद विज्ञापित किए गए थे। इसके संदर्भ में प्राप्त आवेदनों पर आवेदकों के दस्तावेजों के सत्यापन के लिए तिथियां निर्धारित की गई हैं, जिसमें प्रथम चरण में 10 व 11 अप्रैल को दृष्टिबाधित श्रेणी के एक पद के लिए सभी आवेदकों के दस्तावेजों का सत्यापन निदेशालय, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और विशेष रूप से सक्षम वर्ग का सशक्तिकरण, ब्लॉक नम्बर 33, एस.डी.ए. कॉम्पलैक्स, कसुम्पटी, शिमला में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में श्रवण बाधित श्रेणी के एक पद, शारीरिक अक्षमता श्रेणी के एक पद तथा मानसिक व बहुविकलांगता श्रेणी के एक पद के लिए आवेदकों के दस्तावेजों का सत्यापन 21 से 26 अप्रैल, 2025 तक निदेशालय, ग्रामीण विकास विभाग, ब्लॉक नम्बर 27, एस.डी.ए. कॉम्पलैक्स, कसुम्पटी, शिमला में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा सभी आवेदकों को पहले ही पंजीकृत पत्र के माध्यम से सूचना भेज दी गई है, यदि किसी कारणवश आवेदक को सूचना प्राप्त न हुई हो तो आवेदक पूछताछ के लिए दूरभाष नम्बर 0177-2623819, 2623820 और 2623830 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।